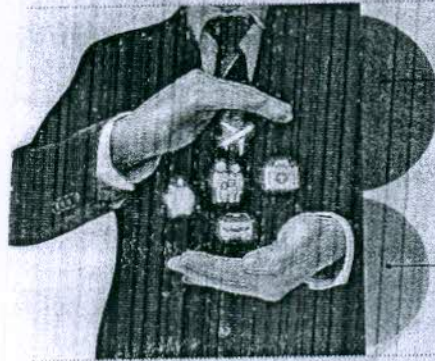


## INSURANCE INDUSTRY TO TOUCH \$280 BN NEXT FISCAL

Government's flagship Ayushman Bharat and increasing awareness about need for protection will help India's insurance industry grow, says an Assocham-APAS study



**3.7%**

- Insurance penetration in India in 2017

**2.71%**

- It was in 2001

**₹5 L cr** - Gross premium in 2017-18

**₹3.2 L cr** - It was in 2011-12

**48%**

Private sector companies' market share in general insurance

**29%**

Their share in life insurance

### WHAT'S DRIVING GROWTH?

Push by the government and the regulator

Growing middle class

Young population

Increasing awareness towards the need for protection

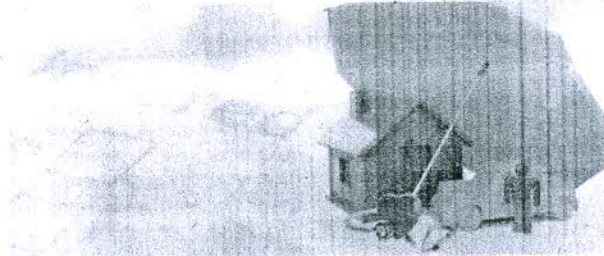
Retirement planning

**Medium-term outlook for the life insurance industry remains robust, with solid premium growth forecast over the next five years to 2023**

**Insurance industry:** The Indian insurance industry is expected to grow to \$280 billion by 2019-20 aided by the government's flagship Ayushman Bharat and increasing awareness about need for protection, according to an Assocham-APAS study. Insurance penetration in the country reached 3.7 percent in 2017 from 2.7 per cent in 2001. Gross premium increased from Rs 3.2 lakh crore (\$9 billion) in financial year 2011-12 to reach Rs 5 lakh crore (\$72 billion) in 2017-18, it said. PTI

---

## Insurance industry to touch USD 280 bn by FY20: Study



**NEW DELHI:** The Indian insurance industry is expected to grow to USD 280 billion by 2019-20 aided by the government's flagship Ayushman Bharat and increasing awareness about need for protection, according to an Assocham-APAS study. Insurance penetration in the country reached 3.7 per cent in 2017 from 2.71 per cent in 2001.

Gross premium increased from Rs 3.2 lakh crore (USD 49 billion) in 2011-12 to reach Rs 5 lakh crore (USD 72 billion) in 2017-18, it said.

"Push by the government and the regulator has helped increase the penetration of the insurance, as spread of schemes have also increased. Several factors such as growing middle class, young population and increasing awareness towards the need for protection and retirement planning would enable the growth further," the study said.

It said, Ayushman Bharat, the ambitious scheme of the government, covering 100 million poor and vulnerable families with a cover of Rs 5 lakh per family of tertiary care and hospitalisation will be a game changer for the insurance industry, as it would have a great multiplier impact on a host of allied sectors and create

lakhs of new jobs.

"The Indian insurance industry is expected to grow to USD 280 billion by FY2020 with the government's flagship Ayushman Bharat and other growth drivers like rising disposable incomes, presence of global players and easing of the regulatory regime, helping penetration of the insurance culture in the country," the study noted.

The private sector companies which presently hold close to 48 per cent market share in the general insurance and 29 per cent in the life insurance will see a big growth in the opportunities.

The medium-term outlook for the life insurance industry remains robust, with solid premium growth forecast over the next five years to 2023, it said.

"An effective implementation of the (Ayushman Bharat) scheme will help the entire healthcare and allied sectors like pharmaceutical, diagnostics, medical devices, data management, insurance hospitality TPAs, quality accreditation and human resource management with the help of information and communication technologies across the value chain," said the study conducted by industry chamber Assocham and research firm APAS. **PI**

खुलासा एसोचैम व शोध संस्था एपीएस के संयुक्त अध्ययन में खुलासा

## आयुष्मान भारत से बीमा क्षेत्र को लाभ: एसोचैम

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेसिया)। सरकार की महत्वाकांक्षी योजना आयुष्मान भारत के सहयोग से देश के बीमा उद्योग का वर्ष 2020 तक 280 अरब डॉलर का हो सकता है। उद्योग संगठन एसोचैम और शोध संस्था एपीएस के संयुक्त अध्ययन के मुताबिक आयुष्मान भारत, वैश्विक संस्थाओं की उपस्थिति और नियमों के सरलीकरण के बल पर देश में बीमा क्षेत्र की पहुंच बहुत तेज से बढ़ रही है। वर्ष 2001 में इसकी पहुंच 2.71 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2017 में बढ़कर 3.7 प्रतिशत हो गयी।

सरकार ने बीमा क्षेत्र के विकास के लिए किए हैं कई पहल

कुल प्रीमियम भी वित्त वर्ष 2012 के 49 अरब डॉलर से वित्त वर्ष 2018 में बढ़कर 72 अरब डॉलर के करीब पहुंच गया। अध्ययन में बताया गया है कि सरकार और नियामकों के प्रयासों से बीमा क्षेत्र की पहुंच बढ़ी है और बीमा योजनाओं का दायरा भी बढ़ा है। मध्यम आय वर्ग की बढ़ती आबादी और सुरक्षा तथा सेवानिवृत्ति की योजना के प्रति अधिक जागरूकता से भी बीमा क्षेत्र को लाभ मिला है। आयुष्मान भारत योजना के प्रभावी क्रियान्वन से पूरे हेल्थकेयर क्षेत्र और सहयोगी



आयुष्मान भारत, वैश्विक संस्थाओं की उपस्थिति और नियमों के सरलीकरण के बल पर देश में बीमा क्षेत्र की पहुंच बहुत तेज से बढ़ रही है: एसोचैम

क्षेत्रों जैसे फार्मा, डायग्नोस्टिक, मेडिकल उपकरण, डाटा प्रबंधन, बीमा हांस्पिटैलिटी, टीपीए और

मानव संसाधन प्रबंधन क्षेत्र को मदद मिलेगी। सरकार ने बीमा क्षेत्र के विकास के लिए कई पहल किए हैं। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की सीमा बढ़ाकर 26 से 49 प्रतिशत की गयी जबकि नियामक इरडा ने बीमाकर्ताओं को 10 प्रतिशत तक का निवेश एडिशनल टियर 1 बांड में करने की अनुमति दे दी है। ये बांड बैंक द्वारा जारी किए जाते हैं।

## आयुष्मान भारत से बीमा क्षेत्र को लाभ: एसोचैम

### नया

● सरलीकरण के बल पर देश में बीमा क्षेत्र की पहुंच बहुत तेजी से बढ़ रही

नई दिल्ली, एजेंसी।

सरकार की महत्वाकांक्षी योजना आयुष्मान भारत के सहयोग से देश के बीमा उद्योग का वर्ष 2020 तक 280 अरब डॉलर का हो सकता है।

उद्योग संगठन एसोचैम और शोध संस्था एपीएस के संयुक्त अध्ययन के मुताबिक आयुष्मान भारत, वैश्विक संस्थाओं की उपस्थिति और नियमों के सरलीकरण के बल पर देश में बीमा क्षेत्र की पहुंच बहुत तेज से बढ़ रही है। वर्ष 2001 में इसकी पहुंच 2.71 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2017 में बढ़कर 3.7 प्रतिशत हो गयी। कुल प्रीमियम भी वित्त वर्ष 2012 के 49 अरब डॉलर से वित्त वर्ष 2018 में बढ़कर 72 अरब डॉलर के करीब पहुंच गया।

अध्ययन में बताया गया है कि सरकार और नियामकों के प्रयासों से बीमा क्षेत्र की पहुंच बढ़ी है और बीमा योजनाओं का दायरा भी बढ़ा है। मध्यम आय वर्ग की बढ़ती आबादी और सुरक्षा तथा सेवानिवृत्ति की योजना के प्रति अधिक जागरूकता से भी बीमा क्षेत्र को लाभ मिला है। आयुष्मान भारत योजना के प्रभावी क्रियान्वन से पूरे हेल्थकेयर क्षेत्र और सहयोगी क्षेत्रों जैसे फार्मा, डायग्नोस्टिक, मेडिकल उपकरण, डाटा प्रबंधन, बीमा हॉस्पिटैलिटी टीपीए और मानव संसाधन प्रबंधन क्षेत्र को मदद मिलेगी। सरकार ने बीमा क्षेत्र के विकास के लिये कई पहल किये हैं। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की सीमा बढ़ाकर 26 से 49 प्रतिशत की गयी जबकि नियामक इरडा ने बीमाकर्ताओं को 10 प्रतिशत तक का निवेश एंडिशनल टियर 1 बांड में करने की अनुमति दे दी है।

## आयुष्मान भारत से बीमा क्षेत्र को लाभ : एसोचैम

■ नई दिल्ली (वार्ता)।

सरकार की योजना आयुष्मान भारत के सहयोग से देश के बीमा उद्योग वर्ष 2020 तक 280 अरब डालर का हो सकता है।

उद्योग संगठन एसोचैम और शोध संस्था एपीएस के संयुक्त अध्ययन के मुताबिक आयुष्मान भारत, वैश्विक संस्थाओं की उपस्थिति और नियमों के सरलीकरण के बल पर देश में बीमा क्षेत्र की पहुंच बहुत तेज से बढ़ रही है। वर्ष 2001 में इसकी पहुंच 2.71 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2017 में बढ़कर 3.7 प्रतिशत हो गई। कुल प्रीमियम भी वित्त वर्ष 2012 के 49 अरब डालर से वित्त वर्ष 2018 में बढ़कर 72 अरब डालर के करीब पहुंच गया।

अध्ययन में बताया गया है कि सरकार और नियामकों के प्रयासों से बीमा क्षेत्र की पहुंच बढ़ी है और बीमा योजनाओं का दायरा भी बढ़ा है। मध्यम आय वर्ग की बढ़ती आबादी और सुरक्षा तथा सेवानिवृत्ति की योजना के प्रति अधिक जागरूकता से भी बीमा क्षेत्र को लाभ मिला है। आयुष्मान भारत योजना के प्रभावी क्रियान्वन से पूरे हेल्थकेयर क्षेत्र को मदद मिलेगी।

